मातभाषा दिवस 21 फरवरो 2019

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र पटना द्वारा 21 फरवरी 2017 को ''मातृभाषा दिवस'' सफलतापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर डा0 भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के सेवानिवृत विभागाध्यक्ष प्रो0 (डा0) गणेश प्रसाद सिंह मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित थे। साथ हीं क्षेत्रीय केन्द्र पटना के समस्त कर्मचारी, समन्वयक एवं विभिन्न अध्ययन केन्द्रों से आमंत्रित 20–25 छात्र व छात्राएँ इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय निदेशक डा0 क्यू0 हैदर द्वारा किया गया। अपने अभिवादन भाषण में डॉ0 हैदर ने ''मातृभाषा दिवस'' मनाये जाने के उद्देश्यों का वर्णन करते हुए कहा कि मातृभाषा व्यक्ति को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने का कार्य करती है। वही समाज या देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता है जिस देश का नागरिक अपने देश की मातृभाषा पर गर्व करता है। उन्होने इस अवसर पर अपनी मातृभाषा के अलाव भारतवर्ष में बोली जाने वाले अन्य भाषाओं को भी प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं वक्ता प्रो0 (डा0) गणेश प्रसाद सिंह ने अपने संबोधन में मातृभाषा की उत्पत्ति, उसके महत्व एवं उसके अभिव्यक्ति का बहुत हीं भावनात्मक रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार एक अबोध बालक सर्वप्रथम अपनी माँ द्वारा सिखलाए गए शब्दों को सीखकर अपने सहज भावां की अभिव्यक्ति करता है और वही बोली धीरे–धीरे वाक्य और भाषा के रूप में परिणत होकर उसके भावो और संवेदनाओं को व्यक्त करने का माध्यम बन जाता है। उन्होंने बताया कि मातृभाषा ही वह माध्यम है जिसमें हम अपने विचारों और भावों को सहजता व सरलता से अक्षरशः संप्रेषित कर सकते है।

कार्यक्रम का समापन सहायक क्षेत्रीय निदेशिका डॉ0 शैलिनी दीक्षित के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

इग्नू इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY
ignou
मातृभाषा दिवस
दिनांक : 21 फरवरी 2017